>

Title:

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद ।

महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र पौड़ी गढ़वाल में एनआईटी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वर्ष 2009 में खुला था । इसके खुलने के तत्काल बाद 930 छात्रों ने यहाँ आवेदन किया और वहाँ कक्षाएं चलीं । उसके पास में ही सुमाड़ी क्षेत्र में 350 एकड़ जमीन भी गाँव के लोगों के द्वारा उपलब्ध कराई गई, जो कि एनआईटी के नाम पर रजिस्टर्ड हुई । दुर्भाग्य से वहाँ एकाएक घटना घटी कि वहाँ से छात्रों को पलायन करना पड़ा । वहाँ से 625 छात्रों को जयपुर संस्थान में भेज दिया गया । इससे लोगों में एक आक्रोश और आन्दोलन पैदा हो गया । उन छात्रों में भी अपने भविष्य को देखते हुए उहापोह की स्थिति उत्पन्न हो गई और उन्हें भी ऐसा लगने लगा कि कहीं मेरा भविष्य अंधकारमय न हो जाए, खराब न हो जाए । ऐसी स्थिति में उन्हें भी धरना, प्रदर्शन पर उतरना पड़ा । वहाँ छात्र आज भी आन्दोलित हैं और वहाँ संशय का वातावरण है ।

मान्यवर, वहाँ जमीन उपलब्ध है, पैसा है और सब कुछ है । मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्री जी से कहना है कि उस ओर तत्काल ध्यान दिया जाए और संस्थान खड़ा करने के लिए तत्काल प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए । यह मेरा निवेदन है । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती मंजुलता मंडल ।

माननीय सदस्यगण, माननीय सदस्या पहली बार सदन में बोल रही हैं ।